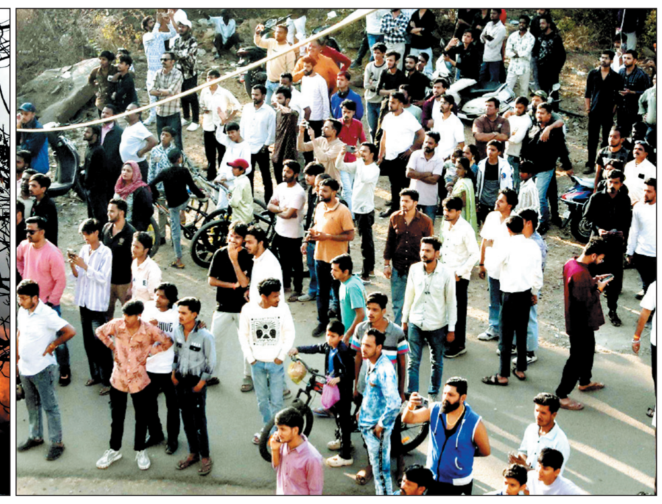

- प्लाईवुड के सामान से भड़कीं लपटें
- फायर ब्रिगेड की 12 गाड़ियों ने 2 घंटे में पाया काबू
- आसमान में दिखा धुएं का गुबार

फैब्रिकेशन फैक्ट्री के गोदाम में आग

भोपाल, 15 फरवरी. राजधानी भोपाल में इंटर स्टेट बस टर्मिनल के सामने स्थित एक फेब्रिकेशन फर्नीचर कारखाने में रविवार को अचानक भीषण आग लग गई. सूचना मिलते ही पुलिस की डायल-112 की दो गाड़ियां और नगर निगम की एक दर्जन दमकल मौके पर एक-एक करके पहुंचीं और करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका.

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर करीब पौने 4 बजे फैक्ट्री परिसर से अचानक धुआं उठता नजर आया. देखते ही देखते आग ने अंदर रखे फर्नीचर और लकड़ी के सामान को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे लपटें तेजी से फैलने लगीं. एहतियात के तौर पर आसपास के इलाके को खाली करा लिया गया है. राहत की बात यह है कि फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है. मामले की जांच की जा रही है.

फैक्ट्री के गोदाम में रखे थे प्लाईवुड

कस्तूरबा नगर इंडस्ट्री एरिया स्थित फैक्ट्री मेहता इंडस्ट्री के नाम से बताई जा रही है. फैक्ट्री में फर्नीचर और प्लास्टिक की टंकी बनाने का काम होता है. लोहे की जालियां-खिड़कियां बनाई जाती हैं. एक गोदाम में प्लाईवुड भी रखा है. बताया जा रहा है कि आग फैक्ट्री के पिछले हिस्से में बने गोदाम में लगी, जहां लकड़ी का सामान और प्लाईवुड रखा था.

नन्हे दिल की धड़कन को बचाने समय पर पहचान बड़ा उपचार

- विश्व जन्मजात हृदय दोष जागरुकता दिवस

नवभारत प्रतिनिधि,
भोपाल, 15 फरवरी. जन्म के साथ ही कुछ बच्चों का दिल पूरी तरह स्वस्थ नहीं होता. इसे जन्मजात हृदय दोष कहा जाता है. कई बार माता पिता को इसका पता देर से चलता है और तब तक स्थिति गंभीर हो जाती है. इसी संवेदनशील विषय पर एम्स भोपाल ने विश्व जन्मजात हृदय दोष जागरूकता दिवस पर समय पर पहचान और इलाज का संदेश दिया है.

एम्स भोपाल लगातार जनस्वास्थ्य जागरुकता के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहा है. ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि जन्मजात हृदय दोष बच्चों में पाई जाने वाली सामान्य जन्म स्थितियों में शामिल है. वहीं विशेषज्ञों के अनुसार परिवारों को सही और वैज्ञानिक जानकारी मिलना बेहद आवश्यक है, अगर माता पिता जागरूक होकर सही समय पर निर्णय ले सकेंगें तो आधुनिक तकनीक और उन्नत इलाज की मदद से आज कई जटिल हृदय दोषों का सफल उपचार संभव है.

समय पर पहचान ही है इलाज

डॉक्टरों का मानना है कि नन्हे दिल की धड़कन को बचाने के लिए समय पर पहचान ही सबसे बड़ा उपचार है. ऐसे में समाज के सभी वर्ग द्वारा जागरूकता फैलाने से हर बच्चे को स्वस्थ जीवन का अवसर मिल सकता है. अगर शुरुआती जांच हो जाए तो कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं.

इस तरह पहचाने रोग

डॉक्टरों ने बताया कि कई बार बच्चे का वजन नहीं बढ़ता, सांस लेने में तकलीफ होती है या बार बार निमोनिया जैसी समस्या होती है. यह संकेत हो सकते हैं कि दिल में कोई संरचनात्मक समस्या है. ऐसे में घबराने के बजाय तुरंत विशेषज्ञ से जांच कराना जरूरी है.

डायल 112 ने आत्महत्या कर रहे व्यक्ति की बचा ली जान

- पारिवारिक विवाद के चलते कर रहा था सुसाइड

विशेष संवाददाता
भोपाल, 15 फरवरी. मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 आपातकालीन सेवा टीम ने त्वरित और साहसिक कार्रवाई करते हुए पारिवारिक विवाद के चलते आत्महत्या का प्रयास कर रहे एक व्यक्ति की जान बचा ली.

यह घटना 14 फरवरी को दोपहर लगभग 3:25 बजे की है, जब राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना हिंडोरिया क्षेत्र के ग्राम आनू स्कूल के पास एक व्यक्ति ने खुद को घर के अंदर बंद कर फांसी लगाने का प्रयास किया है. सूचना मिलते ही थाना हिंडोरिया में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को तुरंत मौके के लिए रवाना किया गया.

आमजन की सुरक्षा के लिए तत्पर है डायल-112

आरक्षक चंद्रकांत पाण्डेय एवं पायलट आशीष अहिरवार ने मौके पर पहुंचकर बिना देर किए घर का गेट तोड़ा और फांसी के फंदे से व्यक्ति को नीचे उतार लिया. इसके बाद उसे आवश्यक प्राथमिक उपचार प्रदान कर सुरक्षित परिजनों के सुपुर्द किया गया. डायल-112 टीम की संवेदनशील और त्वरित कार्रवाई से एक बड़ी त्रासदी टल गई. यह घटना दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस संकट की घड़ी में आमजन की सुरक्षा हेतु सदैव तत्पर है.

गैर-तकनीकी विषय रजिस्ट्रेशन में सबसे आगे एमपी

3 .5 गुना बढ़ोत्तरी के साथ होगा डिजिटल शिक्षा का विस्तार

नवभारत प्रतिनिधि
भोपाल, 15 फरवरी. मध्यप्रदेश ने डिजिटल उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है. राज्य में स्वयं पोर्टल पर गैर-तकनीकी विषयों में पंजीयन ने तकनीकी विषयों को पीछे छोड़ दिया है.

करीब 2 लाख यानी 57 प्रतिशत विद्यार्थियों ने गैर-तकनीकी पाठ्यक्रम चुने हैं, जबकि लगभग डेढ़ लाख यानी 43 प्रतिशत ने तकनीकी पाठ्यक्रमों में नाम दर्ज कराया है. जानकारी के अनुसार बीते एक वर्ष में कुल पंजीयन में 350 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है, जो यह बताता है कि डिजिटल शिक्षा अब प्रदेश के गांव और छोटे शहरों तक पहुंच रही है.

बता दें मध्यप्रदेश देश का ऐसा राज्य बनकर उभरा है जहां छात्रों ने गैर-तकनीकी विषयों में तकनीकी से अधिक रुचि दिखाई है. प्रदेश में गैर-तकनीकी विषयों में बढ़ता रुझान यह संकेत देता है कि युवा अब केवल पारंपरिक डिग्री तक सीमित नहीं रहना चाहते.

क्या है स्वयं पोर्टल

स्वयं पोर्टल भारत सरकार द्वारा उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा को सबके लिए सुलभ कराने का एक प्रयास है, जिसकी सहायता से देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के पाठ्यक्रमों को सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन उपलब्ध कराना है. जिससे हर वर्ग और हर क्षेत्र के छात्र आधुनिक और नई शिक्षा प्रणाली के साथ उच्च गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा को प्राप्त कर सकें.

छात्रों को लाभ

- आईआईआईटी, आईआईएम के शिक्षकों से पढ़ने का अवसर
- समय और स्थान की बाध्यता समाप्त
- पढ़ाई के साथ नौकरी या अन्य गतिविधियां जारी रखने की सुविधा
- प्रमाणपत्र से करियर और रोजगार में लाभ
- कई विश्वविद्यालयों में क्रेडिट ट्रांसफर की सुविधा

दो नाबालिगों को किया बरामद

भोपाल. थाना कोलार रोड पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो नाबालिग बालकों को सकुशल बरामद कर एक बड़ी अनहोनी टाल दी. दोनों बच्चे ग्राम सतगढ़ी बोहरा क्षेत्र से लापता हुए थे, जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल गुमशुदगी दर्ज कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया. पुलिस आयुक्त के निर्देशन तथा वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में टीम गठित कर लगातार तलाश की गई. जांच के दौरान बच्चों के कजलिखेड़ा क्षेत्र में होने की सूचना मिली, जिस पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और दोनों बालकों को सुरक्षित बरामद कर लिया. चौकी कजलिखेड़ा लाकर बच्चों से पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने किसी भी प्रकार की घटना से इंकार किया. इसके बाद दोनों को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया. बच्चों के सुरक्षित मिलने पर परिवार और ग्रामीणों ने राहत की सांस लेते हुए पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया.

राज्यपाल पटेल से मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने की सौजन्य भेंट

भोपाल. राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने रविवार को लोकभवन में सौजन्य भेंट की. राज्यपाल पटेल का तोमर ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया. राज्यपाल पटेल को विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने 16 फ़रवरी से प्रारंभ हो रहे विधानसभा के बजट सत्र के अभिभाषण के लिए आमंत्रित किया. इस अवसर पर विभिन्न विषयों पर पारस्परिक चर्चा हुई.

पानी गर्म करते समय करंट लगने से मौत

नहाने से पहले बाल्टी में हाथ डालते ही लगा झटका

भोपाल, 15 फरवरी. आनंद नगर में सातवीं कक्षा के छात्र की करंट लगने से मौत हो गई. हादसा रविवार दोपहर करीब 12 बजे हुआ. छात्र नहाने के लिए बाल्टी में पानी गर्म कर रहा था. पानी का तापमान जांचने के लिए हाथ डालते ही वह करंट की चपेट में आ गया. परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया.

पुलिस के अनुसार, 13 वर्षीय केशव चौकसे, पिता राजकुमार चौकसे, आनंद नगर का निवासी था. वह एक निजी स्कूल में कक्षा सातवीं का छात्र था. रविवार को वह घर पर नहाने की तैयारी कर रहा था. केशव ने पानी गर्म करने के लिए बाल्टी में इलेक्ट्रिक हीटर रॉड लगाई थी. पानी का तापमान जांचने के लिए उसने बाल्टी में हाथ डाल दिया. इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया. करंट लगने के बाद परिजन उसे तुरंत निजी अस्पताल लेकर पहुंचे. वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद केशव को मृत घोषित कर दिया.

परिवार का बड़ा बेटा था केशव

केशव परिवार का बड़ा बेटा था और उसका एक छोटा भाई है. परिजनों के अनुसार, वह पढ़ाई में अच्छा था और आगे चलकर पायलट बनना चाहता था. घटना के बाद परिवार सदमे में है.

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

भोपाल, 15 फरवरी. गांधीनगर थाना क्षेत्र स्थित अब्बास नगर में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई. हादसा शनिवार रविवार की दरमियानी रात का है. इलाज के दौरान रविवार की सुबह युवक ने दम तोड़ा है. पुलिस ने मर्ग कायम कर जान शुरू कर दी है.

घटना के समय युवक एक शादी समारोह में शामिल होकर घर के लिए लौट रहा था. 32 वर्षीय मोहित सौदे गांधीनगर टैगोर वार्ड का रहने वाला था. वह प्राइवेट स्कूल की बस चलता था. वह शादी समारोह से लौट रहा था. अब्बास नगर में स्कूल के पास अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया.

राहगीरों ने घटनास्थल के पास पड़े मोबाइल से नंबर निकाल कर मृतक के दोस्त को हादसे की सूचना दी. सूचना के बाद युवक मौके पर पहुंचा और घायल दोस्त को भैंसाखेड़ी के प्राइवेट अस्पताल पहुंचाया. जहां इलाज के दौरान रविवार की सुबह युवक की मौत हो गई. मामले में गांधीनगर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है. आरोपी वाहन चालक की पहचान के लिए पुलिस सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है.

दो मासूम बच्चों का पिता था मोहित

मोहित ने 10 साल पहले भोपाल की ही रहने वाली एक युवती से लव मैरिज की थी. उसके दो मासूम बेटे एक सात वर्ष और एक करीब एक वर्ष का है. मोहित ने छोटे बेटे एकलव्य का बीती 10 जनवरी को धूमधाम से जन्मदिन मनाया था. बच्चों के जन्मदिन के ठीक 35 दिन बाद उसकी मौत हो गई.शादी समारोह से घर लौटते समय हादसा हुआ

गीत गाता चल सीजन-2 का आयोजन 19 को

भोपाल. शहर के सांस्कृतिक परिदृश्य में 19 फरवरी की शाम सुरों की मधुर आभा से आलोकित होने जा रही है. रवीन्द्र भवन के अंजनी सभागार में आयोजित 'गीत गाता चल' संगीत संध्या शहर के शौकिया फनकारों को मंच की गरिमा के साथ अपनी कला अभिव्यक्त करने का अवसर देगी. एक दिवसीय इस आयोजन में संगीत केवल प्रस्तुति नहीं, बल्कि साझा अनुभूति का उत्सव बनेगा. कार्यक्रम के संस्थापक लक्ष्मण सिंह और आयोजक एकता सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस संध्या का विशेष आकर्षण फिल्म गायक अलम हमदुले की प्रस्तुति होगी.

मौसम : रात में सर्द हवाओं से विदा हो रही ठंड

भोपाल, 15 फरवरी. भोपाल सहित प्रदेश के सभी जिलों में सुबह की सुनहरी धूप के साथ दिन की तपिश का पारा धीरे धीरे चढ़ने की कोशिश में हैं. लेकिन शाम की सर्द हवायें प्रदेश में अभी ठंड के अंतिम दिनों का अहसास कराने से नहीं चूक रही.

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार प्रदेश के अधिकतर जिलों में रविवार का मौसम शुष्क रहा. वहीं भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम, उज्जैन, चंबल, रीवा, जबलपुर और सागर जैसे जिलों का तापमान सामान्य से 1.6 से 2.9 डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज किया गया है. सबसे न्यूनतम तापमान 8.6 से 10 डिग्री सेल्सियस तक वाले जिलों में कटनी, पचमढ़ी, रीवा, राजगढ़ रहे. जबकि प्रदेश में सबसे अधिक गर्म जिलों में खंडवा, नर्मदापुरम,खरगौन, रतलाम में 32 से 34 डिग्री सेल्सियस तक का अधिकतम तापमान दर्ज किया गया. मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आने वाले कुछ दिनों में सुबह का मौसम सुहावना रहेगा, लेकिन रात में सर्द हवाओं की लहर रहेगी.

दिन का मौसम शुष्क होने के कारण शरीर में पानी की कमी और स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है, ऐसे में अधिक पानी पीने और गर्म कपड़े पहनकर स्वास्थ्य का ध्यान रखने की सलाह दी गई है. अगले तीन दिनों में प्रदेश के अधिकतर जिलों का तापमान सामान्य रहने की आशंका है. वहीं कुछ जिलों जैसे नर्मदापुरम, खंडवा, इंदौर, उज्जैन भोपाल के न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है. इसके अतिरिक्त किसी भी तरह की बारिश की सम्भावना नहीं है.

मंचन | रचना स्त्री की योग्यता और स्वीकार्यता के पहलुओं को मंच पर उकेरा

गुलबकावली के फूल से मंच पर दिखाया स्त्री संघर्ष

नवभारत प्रतिनिधि
भोपाल, 15 फरवरी. बाहर बारिश हो रही है और खिड़की के पास खिला गुलबकावली का फूल चुपचाप भीग रहा है. मंच पर यह दृश्य जैसे ही उभरता है, रंग श्री लिटिल बैले का सभागार एक आधुनिक दफ्तर में बदल जाता है. रंग माध्यम नाट्य संस्था की प्रस्तुति अपात्र गुलबकावली ने दर्शकों को जमीनी राजनीति और पितृसत्तात्मक सोच से सीधे रूबरू कराया. लेखक दिनेश नायर की यह रचना स्त्री की योग्यता और स्वीकार्यता के पहलुओं को मंच पर उकेरती दिखी.

कहानी एक दफ्तर से शुरू होती है, जहां कल्पना वर्मा और गुल दो अलग स्वभाव की महिलाएं हैं. कल्पना संवेदनशील है, बारिश और स्मृतियों में जीवन का अर्थ खोजती है. वहीं अकाउंट ऑफिसर गुल व्यावहारिक हैं, सख्त हैं और अपने काम को लेकर बेहद गंभीर है. मंच पर गुलबकावली का फूल पूरे नाटक में प्रतीक की तरह मौजूद रहता है. जब कल्पना पौराणिक कथा सुनाती है, जिसमें एक स्त्री को प्रेम का भ्रम देकर त्याग दिया जाता है, तो वह कथा केवल कहानी नहीं रह जाती, बल्कि वह उसके अपने अनुभवों की गूंज बन जाती है.

जिसे दर्शक समझने लगते हैं कि यह मंच पर खिला फूल दरअसल स्त्री की उस पीड़ा का रूपक है जिसे समाज बार-बार अनदेखा करता है. वहीं दूसरी ओर नाटक में दफ्तर के पुरुष पात्र कुमार बाबू, रामचरण और सोहराब के जरिए काम की असल तस्वीर सामने आती है. जिसमें गुल की मेहनत का लाभ तो सब उठाते हैं, लेकिन गलती का ठीकरा उसी के सिर फोड़ते हैं. वहीं एक दृश्य में कल्पना और गुल कठपुतली का खेल करती हैं. यह कहानी मंच से स्त्री के संघर्ष, पारिवारिक पृष्ठभूमि और योग्यता के बावजूद झेले गए अपमान को सामने रखती है.

राजुरकर राज की किताबों पर हुई चर्चा

भोपाल, 15 फरवरी. संग्रहालय को जीवित रखने के लिए नवाचार करते रहना जरूरी है, यह केवल स्मृतियों का स्थान नहीं बल्कि विचारों का जीवंत मंच होना चाहिए.

यह बात दूरदर्शन के पूर्व अपर महानिदेशक शशांक ने दुष्यन्त कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय के राज सदन में कही.यह अवसर था संग्रहालय के संस्थापक राजुरकर राज की तृतीय पुण्यतिथि और उन पर लिखी पुस्तक एक कम साठ राजुरकर राज पर चर्चा का.कार्यक्रम में जैसे ही राजुरकर राज का नाम लिया गया, सभागार भावनाओं से भर उठा.वरिष्ठ साहित्यकार गोकुल सोनी ने पुस्तक को पारदर्शिता और सहज भाषा में लिखी गई खुली किताब बताया.उन्होंने कहा कि यह कृति राजुरकर राज के व्यक्तित्व और कृतित्व को समझने का विश्वसनीय दस्तावेज है, जिसमें उनके जीवन के कई अनछुए प्रसंग सामने आते हैं.वहीं वरिष्ठ साहित्यकार वी के श्रीवास्तव ने कहा कि किसी व्यक्ति पर इस तरह लिखना आसान नहीं होता.इसके लिए संवेदनशीलता और गहराई से जानने की जिज्ञासा दोनों जरूरी होती हैं.उन्होंने लेखक रामराव वामनकर के श्रम और समर्पण को प्रणम्य बताया. सुरेश पटवा ने राजुरकर के गांव से लेकर उनके अंतिम सफर तक की स्मृतियों को साझा करते हुए पुस्तक को भावनात्मक यात्रा कहा.

इसके बाद संस्मरणों का दौर भी कम भावुक नहीं रहा.विमल भंडारी, जया आर्य, जवाहर कर्नावट, आलोक त्यागी, महेश सक्सेना, बिहारी लाल सोनी अनुज, विमल कुमार शर्मा और सुभाष वाड़वुदे ने राजुरकर राज के साथ बिताए अपने अनुभव साझा किए. संचालन घनश्याम मैथिल अमृत ने किया और आभार पूर्व अध्यक्ष अशोक निर्मल ने व्यक्त किया.